अब धरातल पर उतरेगी राज्य बागवानी मिशन की योजना, देश-विदेश के बाजार तक पहुंचेगी जिले की लीची, संवरेगी उत्पादकों की किस्मत

मुजफ्फरपुर ब्रांड की लीची विकसित करने को मिले 1.88 करोड़

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

शाही लीची की गुणवत्ता व आकार में सुधार के साथ उसे देश-विदेश के बाजार तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी विस्तृत योजना अब धरातल पर उतरेगी। उद्यान विभाग ने राज्य बागवानी मिशन के तहत लीची प्रोत्साहन योजना की मंजूरी देने के बाद चयनित जिलों को राशि भी उपलब्ध करा दी है। योजना में मुजफ्फरपुर समेत उत्तर बिहार के छह जिलों का चयन किया गया है। इन जिलों के लीची को 'मुजफ्फरपुर ब्रांड' के नाम से बेहतर बक्से में पैक कर ग्राहकों को इसी सीजन से उपलब्ध कराया जाएगा।

योजना क्रियान्वयन के लिए कमेटी का गठन करने के साथ मिशन निदेशक अजय यादव ने विस्तृत निर्देश दो माह पहले ही दिया था लेकिन विभाग से राशि नहीं मिलने से यह सात फरवरी को शुरू नहीं हो सका था।

लीची प्रोत्साहन योजना के अनुसार चयनित सभी जिलों में किसानों को लीची के बेहतर उत्पादन की जानकारी के साथ अनुदान पर आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराना है। सभी छह जिलों के गांव-गांव में प्रचार वाहन के जरिये इसकी जानकारी दी जायेगी।

इसके बाद इन जिलों के चयनित मास्टर ट्रेनरों को राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र में पौधरोपण, बाग प्रबंधन व तुड़ाई की जानकारी मिलेगी। जिला उद्यान कार्यालय को योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य बागवानी मिशन के निदेशक अजय यादव ने 1.88 करोड़ रुपये उपलब्ध कराया है। इससे किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर जैविक व नीम कीटनाशी जबकि 90 प्रतिशत अनुदान पर प्लास्टिक क्रेट उपलब्ध कराये जायेंगे।

मिली राशि

- योजना के क्रियान्वयन के लिए मिले आवंटन से मुजफ्फरपुर समेत कई जिले लाभान्वित
- बेहतर उत्पादन के लिए बनायी गयी 'लीची प्रोत्साहन योजना'
- योजना में उत्तर बिहार के छह लीची उत्पादक जिले चयनित
- लीची खेती की वार्षिक जानकारी के लिए गांवों में घूमेगा रथ
- अनुदान पर किसानों को मिलेगी दवा, कीटनाशी व प्लास्टिक क्रेट

बनी कमेटी

राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र के निदेशक को अध्यक्ष तथा संयुक्त कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी तथा आत्मा के परियोजना निदेशक को सदस्य बनाया गया है।

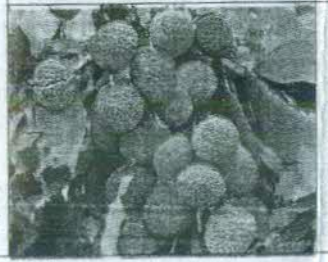

हुआ चयन, मिली राशि

मुजफ्फरपुर को 1.88 करोड़, पूर्वी चम्पारण को 1.87 करोड़, पश्चिम चंपारण को 99.58 लाख, सीतामढ़ी को 62.30 लाख, वैशाली को 1.12 करोड़ व समस्तीपुर को 99.57 लाख रुपये मिले हैं।

राशि मिलने के बाद अब जिला कृषि अधिकारी कमेटी के साथ बैठक कर कार्यक्रम तय करेंगे। इसके बाद प्रचार तथा उद्घाटन कार्यक्रम के साथ ही जिले के चयनित मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण व किसानों को योजना का लाभ देने का काम शुरू होगा। राकेश कुमार, जिला उद्यान अधिकारी, मुजफ्फरपुर